lenging the statement of our Home Minister made on the floor of this House.

Mr. Speaker: I have said that he will get that information.

Shri Hem Barua: I have already got it.

Mr. Speaker: This could not be raised in this manner; he may kindly resume his seat. I cannot answer in this manner.

12.02 hrs.

RE. POINT OF PRIVILEGE

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : अध्यक्ष महोदय मेरा विशेषाधिकार का प्रश्न नियम संख्या 222 के अन्तर्गत है ।

अध्यक्ष महोदय : मैं ने आपको इजाजत नहीं दी । आप बैठ जाइये ।

श्री मधु लिमये : वह मैं ने कल दे दिया था । इसलिये दिया था कि आप उस पर विचार कर सकें । साढ़े दस बजे मैं आपसे मिलने आया था, तब आपने कहा था कि आपने उसे देखा नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय : अब मैं ने देख लिया है । आप बैठ जाइये ।

श्री मधु लिमये : आप ने मुझे इसका मौका ही नहीं दिया कि मैं अपनी बात आप के सामने रख सकूं । अगर मौका देते तो मैं आपको बतलाता कि यह कैसे विशेषाधिकार का प्रश्न बनता है । इसके लिये आप मुझे कुछ निवेदन करने की इजाजत दीजिये ।

अध्यक्ष महोदय : अब माननीय सदस्य बैठेंगे या नहीं ।

श्री मधु लिमये : इस विषय पर कल श्री शास्त्री ने जो बयान दिया था उस के विपरीत बातें राज्य सभा में हुई हैं । श्री डाह्याभाई पटेल ने जो बातें कही थीं . . .

अध्यक्ष महोदय : अब इस मामले में इस हाउस को फैसला करना होगा । मैं बार बार कह रहा हूं कि माननीय सदस्य बैठ जायें लेकिन मेरे कहने के बावजूद वह अपनी बातें कहे जाते हैं । यह बात कभी नहीं चल सकती और न हाउस का अनुशासन इस तरह से चलेगा कि कोई मेम्बर जब चाहे खड़ा हो जाये और जितनी देर चाहे बोलता चला जाये । मैंने उन से कहा बैठो, बैठो, बैठो । मैं ने कहा कि मैं ने नामंजूर किया है और वह कहते हैं कि मुझे मौका नहीं दिया गया, वह खड़े हो जाते हैं और बोले चले जाते हैं । मैं इसकी इजाजत नहीं दे सकता । अगर हाउस चाहे तो वह ऐक्शन ले सकता है ।

श्री रामेश्वरानन्द (करनाल) : अब तो वह बैठ गये आपके कहने पर ।

अध्यक्ष महोदय : अब आप बैठ जाइये । आप उनकी वकालत करने के लिये खड़े हो गये । जब मैं खड़ा हूं उस वक्त भी वह नहीं बैठते ।

श्री रामेश्वरानन्द आपके खड़े होते ही वह बैठ गये ।

अध्यक्ष महोदय : मेरे खड़े होते ही वह नहीं बैठ गये ।

श्री रामेश्वरानन्द : जैसे ही आपने कहना प्रारम्भ किया वह बैठ गये ।

अध्यक्ष महोदय : जब मैं खड़ा हूं उस समय भी दो सदस्य खड़े हैं । आप को क्या किया जाये ।

Mr. Speaker: I leave it here just now but that should not happen again.

Shri Kandappan (Tiruchengode): Sir, I have got a very important submission to make before you proceed further.

Mr. Speaker: Not in this manner; it cannot be taken like this. I should not be taken unawares; unless he writes to me, I will not allow it. Papers to be laid.